



## चीकू और छिपकी गिरकी

कहानी - एस्थर डेविड

गर्मियों के कुछ समय बाद, एक दिन चीकू और बा ने 'एअर कूलर' को साफ़ करने की बात सोची, क्योंकि अब ठंड में उन्हें उसकी ज़रूरत नहीं थी। उन्होंने 'एअर कूलर' के पीछे का ढक्कन खोल दिया, कूलर के अंदर नमी-भरे माहौल में दो प्राणियों को बैठा देखकर वे आश्चर्य में पड़ गए।

बा ने कहा, “चीकू, क्या तुम विश्वास कर सकते हो कि इस 'कूलर' के अंदर गिरगिट और छिपकली एक साथ रह रहे हैं?” उन्होंने कहना जारी रखा, “ऐसा लगता है कि ये दोनों 'कूलर' के अंदर के ठंडे माहौल में मज़े ले रहे हैं, और साथ ही ये यहाँ कौए और दूसरे पक्षियों के आक्रमण से भी सुरक्षित हैं।”

चीकू ने कूलर के अंदर देखते हुए कहा, “सचमुच ये बड़े चालाक हैं! 'कूलर' की घास कीड़ों को भी अपनी ओर खींचती है, और इस तरह ये यहाँ खाने का भी मज़ा लूटते हैं। उन्हें बाहर जाने की ज़रूरत ही नहीं और वे 'कूलर' के अन्दरूनी सुरक्षित हिस्से में खुश होकर आराम से रह सकते हैं।”

बा ने कहा, “यह बड़े मज़े की बात है क्योंकि ये छिपकली के परिवार के हैं, लेकिन हर एक दूसरे से अलग है। गिरगिट थोड़ा बड़ा होता है, और अपना रंग बदल सकता है। इसकी आँखें सभी दिशाओं में घूम सकती हैं। जब यह भूखा होता है तब उसे केवल यही करना होता है कि अपनी जीभ बाहर निकालकर किसी कीड़े को पकड़ में ले ले। गिरगिट बागीचों में रहना पसंद करते हैं, लेकिन इसे तो 'कूलर' ही अच्छा लगा। जब कि छिपकली छोटी होती है, और अपना रंग नहीं बदल सकती और उन्हें घरों में रहना ज़्यादा अच्छा लगता है। लेकिन इन दोनों को तो 'एअर कूलर' ही रहने के लिए भाया। इन्हें एक दूसरे का संग भी सुहा गया।”





बा समझ नहीं पा रही थीं कि वे क्या करें क्योंकि वे 'कूलर' साफ़ करना चाहती थीं। लेकिन जैसे ही बा ने उन दोनों को झाड़ कर हटाया वैसे ही छिपकली रसोईघर में और गिरगिट घर से बाहर जाकर बा के पौधों में छिप गया। उसके बाद बा और चीकू छिपकली व गिरगिट के बारे में सब भूल गए।

जल्द ही कुछ ऐसा घटा कि वे बड़े आश्चर्य में पड़ गए। बा और चीकू दस्तकारी के एक मेले में गए थे और वहाँ से वे मिट्टी के बने दो घोड़े ले आए। इन घोड़ों में इनके मुँह की ओर 'ओ' के आकार का बड़ा छेद था। एक दिन जब बा पौधों को पानी दे रही थीं तभी उन्होंने घोड़े के मुँह से एक रेंगनेवाले प्राणी के सिर को बाहर निकलते देखा और वे चौंककर उछलीं।

पहले तो वे गलती से उसे साँप समझ बैठीं। उन्होंने चीकू को पुकारा और दोनों ने जब मिलकर देखा तो पाया कि वह गिरगिट था। बा और चीकू में और उत्सुकता जागी। उन्होंने दूसरे घोड़े को भी देखा कि कहीं उस में भी तो उसी तरह का कोई आश्चर्य नहीं है। जैसा कि उन्होंने सोचा था, दूसरे घोड़े के मुँह से छिपकली उछलकर बाहर निकली।

बा और चीकू एक-दूसरे को देखकर हँसने लगे क्योंकि वे समझ गए कि गिरगिट और छिपकली को 'एअर कूलर' से अलग एक और नया घर मिल गया था। बा ने चीकू से कहा, “शायद इसी को कहते हैं दोस्ती!”

समाप्त



© BookBox. All Rights Reserved.  
www.bookbox.com

Click below to follow us:



You Tube

facebook